□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□
□□□□र्□□□ प्रश्न □ख□□ : 18
21 □□, 2019 □□ □□□□□□□□□□□□□प्रश्न □□ □त्त□

केरल म नीपाह वायरस फैलने को समीक्षा

*18. एडवोकेट अदूर प्रकाशः
श्री हिबी इडनः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या सरकार ने केरल म नीपाह वायरस फैलने को समीक्षा को है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा केरल म नीपाह वायरस के आक्रमण के विरुद्ध क्या कदम उठाये गये ह;
(ख) क्या सरकार के पास केरल म नीपाह वायरस को वजह से हुई मौतों को संख्या के बारे म कोई आंकड़ा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार द्वारा केरल म नीपाह वायरस के फैलने और इसको उत्पत्ति के बारे म कोई अध्ययन कराया गया है अथवा अध्ययन करने हेतु किसी विशेष दल को नियुक्ति किये जाने को योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) राज्य का दौरा कर चुके केन्द्रीय दल के निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है?

□त□□
स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □त्री□ (□□. □□ □□□)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

f□□□□ 21 □□, 2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न □.□18 □□ □त□□ □ □□ले□□□□ □□□□□

(क) से (घ): जी, हां। जून, 2019 के प्रथम सप्ताह म नीपाह वायरस रोग के प्रकोप को रिपोट केरल राज्य से प्राप्त हुई है। उसी समय, कद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने एक समीक्षा बैठक बुलाई और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कद्र (एनसीडीसी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से बुलाए गए अलग अलग विषयों के विशेषज्ञों से बनी कद्रीय टीम प्रभावित जिलों म तैनात को गई ताकि राज्य के स्वास्थ्य प्राधिकारियों को सहायता और मागदशन दिया जा सके। यह टीम जांच, संपक म आए व्यक्ति का पता लगाने, नमूना परीक्षण और नीपाह वायरस जनित रोग (एनआईवीडी) के प्रबंधन म राज्य को सहायता कर रही है। उसी स्थान पर (प्वाइंट आफ केयर) जांच के लिए सुविधा कद्र राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), पुणे द्वारा मेडिकल कॉलेज एनाकुलम म स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी), भोपाल के विशेषज्ञ भी जांच म स्थानीय पशुपालन विभाग के साथ लगे हुए थे।

एनआईवी, पुणे ने नीपाह वायरस जनित रोग के प्रमुख वाहक टेरोपस या फलाहारी चमगादड़ों (फ्रूट बैट्स) के नमूने एकत्र करने के लिए विशेष टीम लगाई। टेरोपस स्पीशीज के जांचे गए 36 चमगादड़ों म से 12 (33 प्रतिशत) चमगादड़ों को "एंटी नीपाह बैट आईजीजी एंटीबॉडीज" के लिए पॉजिटिव पाया गया।

एनसीडीसी म कायनीतिक स्वास्थ्य प्रचालन कद्र (एसएचओसी) को 4 जून, 2019 से सक्रिय कर दिया गया है और यह नीपाह पर नियंत्रण के लिए निगरानी और अनुक्रिया संबंधी क्रियाकलापों पर क्षेत्रीय टीमों के साथ मिलकर काय कर रहा है। आम जनता द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का जवाब देने के लिए कायनीतिक स्वास्थ्य प्रचालन कद्र (एसएचओसी) म एक विशेष फोन लाईन स्थापित को गई है। इसके अलावा, केरल के राज्य प्राधिकारियों को विशिष्ट रोगी परिभाषा, संपक म आए व्यक्ति का पता लगाने और उपचार व क्लिनिकल प्रबंधन संबंधी प्रोटोकोल प्रदान किया गया है। 2019 के दौरान एनाकुलम, केरल म नीपाह के प्रकोप पर कद्रीय टीम के निष्कर्षों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

i. केरल के एनाकुलम जिले से एनआईवीडी के एक मामले को प्रतिपुष्टि को रिपोट 3 जून, 2019 को मिली है।
ii. कुल पचास संदिग्ध मामलों को पहचान को गई और जांच म किसी म भी नीपाह वायरस नहों मिला।
iii. कुल 330 संपक म आए व्यक्तियों का रोजाना फोलोअप किया जा रहा है।
iv. किसी नए मामले को रिपोट नहों मिली है।
v. वष 2019 के दौरान, अभी तक केरल म नीपाह के कारण कोई मौत नहों हुई है।

****